ओमशान्ति मीडिया

OM SHANTI GLOBAL FAMILY
PLATINUM JUBILEE
75
BRAHMAKUMARIS
2011

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 07 जुलाई - I, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

मूल्यनिष्ठता से आती है सम्मान देने की भावना

सुरत। ब्रह्माकुमारीज़ विश्व की एकमात्र संस्था है जो महिलाओं द्वारा संचालित है। और समाज को अंधश्रद्धा से मुक्त कर मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना करने में प्रयासरत है। उक्त विचार वराछा बैंक के अध्यक्ष कान जी ने संस्था के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'अमृत महोत्सव' समारोह में 'एक परमात्मा, विश्व एक परिवार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जब मानव मूल्यनिष्ठ बनेगा तभी वह श्रेष्ठ जीवन व्यतीत कर सकता है। और दूसरों को सम्मान दे सकेगा।

माउण्ट आबू की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.गीता ने कहा कि 'एक परमात्मा, विश्व एक परिवार' की भावना में सर्व समस्याओं का समाधान समाया हुआ है। परमात्मा की सच्ची पहचान ही सच्चे सुख का आधार है। हम स्वयं को जानकर अपना सम्बन्ध पिता परमात्मा से जोड़ते हैं तो हमें अनेक जन्मों तक इसका भाग्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि राजयोग के द्वारा ही हम जीवन में सच्ची-सुख-शांति की अनुभूति कर सकते हैं। एक समय था जब मानव दिव्य गुणों से सम्पन्न था। जहां हर मानव मूल्यनिष्ठ था। उस युग को सतयुग के नाम से जाना जाता था। अब पुन: वही दुनिया आने वाली है।

ब्र.कु.पूर्णिमा ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि परमात्मा के सत्य परिचय से और स्वयं के सत्य स्वरूप को जान लेने से जीवन में आने वाली अनेक समस्याओं से हम सहज ही मुक्त हो सकते हैं। और अपना जीवन श्रेष्ठ बनाकर दूसरों को भी प्रेरणा दे सकते हैं। जिससे हमारे जीवन में दिव्यता आने लगती है। फिर हमें सारा विश्व एक परिवार जैसा लगने लगता है। यही मानव जीवन की सर्वश्रेष्ठ प्राप्ति है। उन्होंने कहा कि गीता में दिए हुए वचन के अनुसार परमात्मा इस धरा पर अवतरित होकर सहज राजयोग का ज्ञान देकर अपना श्रेष्ठ व मनुष्यों को पावन बनाने का दिव्य कार्य कर रहे हैं। वराछा सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु.तृप्ति ने कहा कि सत्विचारों का आह्वान करने से ही जीवन में देवत्व प्रगट होने लगता है। और मानव सच्ची राह पर चलने लगता है। इस कार्यक्रम में सर्वधर्म के प्रतिनिधियों तथा हीरा व्यवसायी, शहर के विभिन्न संगठनों सहित शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

सुरत, वराछा। संस्था के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'अमृत-महोत्सव' में शिवध्वज लहराते हुए सिख धर्म के संत श्रीजोगा सिंह, निर्मल देवजी महाराज, फादर चार्ल्स, माउण्ट आबू की ब्र.कु.गीता, ब्र.कु.पूर्णिमा, ब्र.कु.जागृति एवं ब्र.कु.तृप्ति।

दिल्ली, करोलबाग। 'समर कैंप में स्कूल के बच्चों से मिलते हुए एवं उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए दादी हृदयमोहिनी।

जीवन का सुनहरा समय है हमारा बचपन - दादी

नई दिल्ली, करोल बाग। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पांडव भवन में स्कूल के 9 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया। समर कैंप में बच्चों से रूबरू होते हुए संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने अपने बाल्यकाल के अनुभव को सुनाते हुए कहा कि बाबा ने बचपन में ही हम सभी भाई-बहनों को गुणवान बनने की प्रेरणा दी, क्योंकि हमारा बचपन ही सारे जीवन का आधार होता है। इस समय हम अपने मन में जो डालेंगे वो सारी जिंदगी के लिए स्मृति में समा जाता है। फिर हमारे कर्म भी उसी अनुसार होते हैं। इसलिए बाल्यकाल को जीवन का सुनहरा काल भी कहा जाता है। आरंभ में हम सभी लोग एक साथ इकट्ठे रहते थे, कभी भी आपस में झगड़ा नहीं करते थे, सदा हम बड़ों की आज्ञाकारी बनकर रहें और ये विशेष रूप से ध्यान रखते थे कि मुझसे कभी किसी को दु:ख न पहुंचे।

ब्र.कु.पुष्पा ने शिक्षाप्रद कहानियों के द्वारा बच्चों को मूल्यनिष्ठ बनने की शिक्षा दी।

बच्चों के मानसिक एवं रचनात्मक विकास करने के उद्देश्य से अनेक प्रकार के क्विज, वैल्यूज पर आधारित गेम, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर आधारित कार्यक्रम रखे गए। जिसमें बच्चों ने बहुत ही उमंग-उत्साह से भाग लिया। और कहा कि यह दिन हमारे अब तक के जीवन का सबसे अच्छा दिन था जिससे हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। अंत में सभी को मेडिटेशन के द्वारा गहन शांति की अनुभूति करायी गई।

इस समर कैंप में संस्कार स्टडी सर्कल कोचिंग सेंटर के डायरेक्टर ब्र.कु.विरेन्द्र बहल, ब्र.कु.किम्मी, राजमस स्कूल के शिक्षक, ब्र.कु.सोनिया ने विशेष रूप से भाग लिया। ब्र.कु.विजय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अंत में दादी ने सभी बच्चों को ईश्वरीय सौगात भेंट की।

सुरत, वराछा। 'अमृत-महोत्सव' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में परमात्म संदेश सुनते हुए शहर के गणमान्य व्यक्ति तथा विशाल जन-समूह।